JSSC Intermediate Level (JILCCE 2026) Exam Pattern/ Syllabus

ResultBharat.com

16. **परीक्षा का स्वरूप** :–आयोग द्वारा कम्प्यूटर आधारित परीक्षा **(CBT) / OMR** पद्धति में ली जायेगी तथा एक विषय की परीक्षा यदि विभिन्न समूहो में लिया जाता है तो अभ्यर्थियों के प्राप्तांक का Normalisation किया जायेगा। Normalisation का सूत्र अलग से आयोग के वेबसाईट पर प्रकाशित है। कम्प्यूटर आधारित परीक्षा के आधार पर अभ्यर्थियों की मेधा सूची उनके प्राप्तांक के Normalised अंक के आधार पर तैयार किया जायेगा तथा परीक्षाफल प्रकाशन के पश्चात उन्हें Normalised अंक ही दिया जायेगा।

परीक्षा का स्वरूप निम्न प्रकार होगा :–

17. **परीक्षा का स्वरूप एवं पाठ्यक्रम** :–

17.1 **परीक्षा दो चरणों में ली जायेगी** –

(क) प्रारम्भिक परीक्षा
(ख) मुख्य परीक्षा

परन्तु परीक्षा में 50,000 (पचास हजार) से कम आवेदन रहने पर सामान्यतः प्रारंभिक परीक्षा नहीं ली जाएगी। उक्त अधिकतम सीमा से अधिक अभ्यर्थी रहने की स्थिति में भी विभिन्न परिस्थितियों के आधार पर सीधे मुख्य परीक्षा आयोजित करने के संबंध में आयोग निर्णय ले सकेगा।

सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ एवं बहुविकल्पीय उत्तर आधारित होंगे। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक के होंगे। सही उत्तर के लिए तीन अंक प्रदान किये जायेंगे एवं प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक अंक की कटौती की जाएगी। परीक्षा की भाषा हिन्दी/अंग्रेजी होगी।

17.2 प्रारम्भिक परीक्षा – *सामान्य ज्ञान से संबंधित निम्नलिखित विषयों से संबंधित* बहुविकल्पीय उत्तर आधारित *प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षा की अवधि दो घंटों की होगी।*

(क)	सामान्य अध्ययन	–	30 प्रश्न
(ख)	झारखण्ड राज्य से संबंधित ज्ञान	–	60 प्रश्न
(ग)	सामान्य गणित	–	10 प्रश्न
(घ)	सामान्य विज्ञान	–	10 प्रश्न
(ड़)	मानसिक क्षमता जाँच	–	10 प्रश्न
	कुल	–	**120 प्रश्न**

17.3 प्रारम्भिक परीक्षा का पाठयक्रम

पत्र– सामान्य ज्ञान

(क) सामान्य अध्ययन :– इसमें प्रश्नों का उद्देश्य अभ्यर्थी के सामान्य जानकारी तथा समाज में उनके अनुप्रयोग के सम्बन्ध में उसकी योग्यता की जाँच करना होगा। वर्तमान घटनाओं और दिन–प्रतिदिन की घटनाओं के सूक्ष्म अवलोकन तथा उनके प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण जैसे मामलों की जानकारी जैसा कि किसी भी शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जाती है। इसमें झारखण्ड, भारत और पड़ोसी देशों के सम्बन्ध में विशेष रुप से यथा सम्भव प्रश्न पूछे जा सकते हैं। सम–सामयिक विषय, वैज्ञानिक प्रगति, राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार, भारतीय भाषाएँ, पुस्तक, लिपि, राजधानी, मुद्रा, खेल–खिलाड़ी, महत्वपूर्ण घटनाएँ। भारत का इतिहास, संस्कृति, भूगोल पर्यावरण, आर्थिक परिदृश्य, स्वतंत्रता आन्दोलन, भारतीय कृषि तथा प्राकृतिक संसाधनों की प्रमुख विशेषताएँ एवं भारत का संविधान एवं राज्य व्यवस्था, देश की राजनीतिक प्रणाली, पंचायती राज, सामुदायिक विकास, पंचवर्षीय योजना। झारखण्ड राज्य की भौगोलिक स्थिति एवं राजनीतिक स्थिति की सामान्य जानकारी।

(ख) झारखण्ड राज्य से संबंधित ज्ञान:– झारखण्ड राज्य के भूगोल, इतिहास, सभ्यता, संस्कृति, भाषा–साहित्य, स्थान, खान–खनिज, उद्योग, राष्ट्रीय आन्दोलन में झारखण्ड का योगदान, साहित्य, विकास योजनाएँ, खेल–खिलाड़ी, व्यक्तित्व, नागरिक उपलब्धियाँ, पुरस्कार, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्व के विषय इत्यादि।

(ग) सामान्य गणित :– इस विषय में सामान्यतः अंक गणित, प्राथमिक बीजगणित, ज्यामिति, सामान्य त्रिकोणमिति, क्षेत्रमिति से सम्बन्धित प्रश्न रहेंगे। सामान्यतः इसमें मैट्रिक /10वीं कक्षा स्तर के प्रश्न रहेंगे।

(घ) सामान्य विज्ञान :– सामान्य विज्ञान के प्रश्न में दिन–प्रतिदिन के अवलोकन एवं अनुभव पर आधारित विज्ञान की सामान्य समझ एवं परिबोध से संबंधित प्रश्न रहेंगे, जैसा कि एक सुशिक्षित व्यक्ति से, जिसने किसी विज्ञान विषय का विशेष अध्ययन नहीं किया हो, अपेक्षित है।

(ड़) मानसिक क्षमता जाँच :– इसमे शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के प्रश्न रहेंगे। इस घटक में निम्न से सम्बन्धित यथासम्भव प्रश्न पूछे जा सकते हैं – सदृश्य, समानता एवं भिन्नता, स्थान कल्पना, समस्या समाधान, विश्लेषण दृश्य स्मृति, विभेद, अवलोकन, सम्बद्ध अवधारणा, अंक गणितीय तर्क शक्ति, अंक गणितीय संख्या श्रृंखला एवं कूट लेखन तथा कूट व्याख्या इत्यादि।

17.4 प्रारम्भिक परीक्षा अन्तर्गत न्यूनतम अंक संबंधी प्रावधान :– प्रारंभिक परीक्षा अंतर्गत न्यूनतम अंक संबंधी प्रावधान निम्नवत् तालिका अनुसार होगी :–

क्र०सं०	आरक्षण कोटि	न्यूनतम प्राप्तांक
1.	अनारक्षित / आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	40 (चालीस) प्रतिशत
2.	अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / महिला	32 (बत्तीस) प्रतिशत
3.	अत्यन्त पिछड़ा वर्ग (अनुसूची–1)	34 (चौंतीस) प्रतिशत
4.	पिछड़ा वर्ग अनुसूची–2	36.5 (साढ़े छत्तीस) प्रतिशत
5.	आदिम जनजाति	30 (तीस) प्रतिशत

17.5 मुख्य परीक्षा :–

प्रारंभिक परीक्षा में प्राप्त अंक के आधार पर आयोग द्वारा अभ्यर्थियों की मेधा सूची तैयार की जायेगी। तदुपरांत कुल रिक्ति के पंद्रह गुणा अभ्यर्थियों को मेधा क्रमानुसार प्रारंभिक चयन सूची तैयार की जायेगी। उक्त सूची में किसी कोटि (उदग्र एवं क्षैतिज) के अभ्यर्थियों का प्रतिनिधित्व रिक्ति के पंद्रह गुणा से कम होने पर उस कोटि के अतिरिक्त अभ्यर्थियों को भी मुख्य परीक्षा हेतु चयनित किया जायेगा। मुख्य परीक्षा हेतु सभी कोटि के अंतिम चयनित अभ्यर्थी के बराबर प्राप्तांक धारित करने वाले शेष सभी अभ्यर्थियों को भी मुख्य परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए भी चयनित किया जायेगा।

मुख्य परीक्षा के लिए तीन पत्र होंगे। प्रत्येक पत्र की परीक्षा की अवधि दो घंटे की होगी। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक के होंगे। सही उत्तर के लिए तीन अंक प्रदान किये जायेंगे एवं प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक अंक की कटौती की जाएगी।

पत्र 1 – विषय : (भाषा ज्ञान)

(क) हिन्दी भाषा ज्ञान – 60 प्रश्न — **हिन्दी एवं अंगेजी प्रत्येक में अनुच्छेद आधारित 20 प्रश्न एवं व्याकरण आधारित 40 प्रश्न रहेंगे।**

(ख) अंग्रेजी भाषा ज्ञान – 60 प्रश्न

कुल – 120 प्रश्न

इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए 30 प्रतिशत **न्यूनतम** अर्हतांक निर्धारित रहेगा। **न्यूनतम अर्हतांक से कम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी नियुक्ति के लिए चयन हेतु असफल / अयोग्य माने जाएंगे।** प्राप्त अंक मेधा निर्धारण के लिए नहीं जोड़ा जायेगा।

पत्र 2 – (क्षेत्रीय / जनजातीय भाषा ज्ञान)

हिन्दी / अंग्रेजी / उर्दु / संथाली / बंगला / मुण्डारी(मुण्डा) / हो / खड़िया / कुडूख (उराँव) / कुरमाली / खोरठा / नागपुरी / पंचपरगनिया / उड़िया / संस्कृत में से किसी एक भाषा की

परीक्षा विकल्प के आधार पर अभ्यर्थी दे सकेंगे। इस परीक्षा में संबंधित भाषा के एक सौ (100) बहुविकल्पीय उत्तर आधारित प्रश्न पूछे जायेंगे।

<u>पत्र 3 –</u> इस पत्र में पूछे जाने वाले प्रश्नों की संख्या 120 (एक सौ बीस) होंगे एवं विषय तथा प्रश्नों की संख्या अधोलिखित होगी :–

सामान्य अध्ययन	–	30 प्रश्न
झारखण्ड राज्य से संबंधित ज्ञान	–	40 प्रश्न
सामान्य विज्ञान	–	20 प्रश्न
सामान्य गणित	–	10 प्रश्न
मानसिक क्षमता जाँच	–	10 प्रश्न
कम्प्यूटर का ज्ञान	–	10 प्रश्न
कुल	–	*120 प्रश्न*

टिप्पणी –(1) पत्र–1 (भाषा ज्ञान) की परीक्षा में न्यूनतम अर्हतांक *30* प्रतिशत होगा। न्यूनतम अर्हतांक से कम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी नियुक्ति के लिए चयन हेतु असफल/अयोग्य माने जायेंगे। पत्र–1 अर्हक (**Qualifying**) प्रकृति का होगा। पत्र–1 में प्राप्त अंक मेधा निर्धारण के लिए नहीं जोड़ा जायेगा।

(2) पत्र–2 क्षेत्रीय/जनजातीय भाषा ज्ञान तथा पत्र–3 सामान्य ज्ञान की परीक्षा में न्यूनतम अर्हतांक *30* प्रतिशत होगा।

(3) पत्र–1 भाषा ज्ञान की परीक्षा में न्यूनतम अर्हतांक 30 प्रतिशत अथवा इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों के पत्र–2 एवं पत्र–3 में प्राप्त अंकों को जोड़ कर कुल अंकों के आधार पर मेधा का निर्धारण किया जायेगा।

17.6 मुख्य परीक्षा का पाठ्यक्रम :–

<u>पत्र–1 (भाषा ज्ञान)</u>

(क) हिन्दी भाषा ज्ञान :–

(i)	हिन्दी अनुच्छेद पर आधारित प्रश्न	–	20 प्रश्न
(ii)	हिन्दी व्याकरण पर आधारित प्रश्न	–	40 प्रश्न

इस विषय में हिन्दी अपठित अनुच्छेद (Unseen Passage) तथा हिन्दी व्याकरण पर आधारित प्रश्न रहेंगे।

<u>पत्र–1 (अंग्रेजी भाषा ज्ञान)</u>

(ख) अंग्रेजी भाषा ज्ञान :–

(i)	अंग्रेजी अनुच्छेद पर आधारित प्रश्न	–	20 प्रश्न
(ii)	अंग्रेजी व्याकरण पर आधारित प्रश्न	–	40 प्रश्न

इस विषय में अंग्रेजी अपठित अनुच्छेद (Unseen Passage) तथा अंग्रेजी व्याकरण पर आधारित प्रश्न रहेंगे।

पत्र–2 (क्षेत्रीय / जनजातीय भाषा ज्ञान)

कुड़ूख

व्याकरण – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण, लिंग, वचन, पुरूष, पर्यायवाची शब्द, विपरीतार्थक शब्द, अनेक शब्दों के बदले एक शब्द, कहावत, मुहावरे, पहेली, काल आदि।

1. **साहित्य–गद्य साहित्य–**

जतरा अप सेन्दरा – बिरसा भगत
कुडुख़र गही नेग अरा धरम – जम्बुआ कुजूर
अंजेला– इग्नेस कुजूर
राय साहब बंदीराम उराँव – अहलाद तिकी।
रूइदास कुडुख़ बेलस – ए॰ ग्रिगनाड
टना भगतर – डॉ॰ फिलिप एक्का

पद्य साहित्य –

जड़ी पेल्लो – दवले कुजूर
जतरा – डब्लयू जी0 आर्चर
खेड्ड चम्बी –डॉ0 निर्मल मिंज
रासी सुकखे गही –दवले कुजूर
अलखा अमके – जस्टिन एक्का
खद्द परिया – पदम् श्री जुवेल लकड़ा
कुडुख़ लोक साहित्य, लोक गीत, कहानी एवं निबंध

हिन्दी

पुस्तक – आरोह भाग–2

काव्य खण्ड

1. आत्म परिचय, दिन जल्दी–जल्दी ढलता है– हरिवंश राय बच्चन
2. पतंग – आलोक धन्वा
3. कविता के बहाने, बात सीधी थी पर – कुँवर नारायण
4. कैमरे में बंद अपाहिज– रघुवीर सहाय
5. सहर्ष स्वीकार है – गजानन माधव मुक्तिबोध
6. उषा – शमसेर बहादुर सिंह
7. बादल राग – निराला
8. कवितावली – तुलसीदास
9. रूबाइयाँ गजल – फिराक गोरखपुरी

10. छोटा मेरा खेत, बगुलों के पंख – उमाषंकर जोशी

गद्य खण्ड

11. भक्तिन – महादेवी वर्मा
12. बजार दर्शन – जैनेन्द्र कुमार
13. काले मेघा पानी दे – धर्मवीर भारती
14. पहलवान की ढ़ोलक – फणीश्वर नाथ रेणु
15. चार्ली–चैप्लिन यानी हम सब – विष्णु खरे
16. नमक – रजिया सज्जाद जहीर
17. शिरीष के फूल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
18. धर्म विभाजन और जातिप्रथा, मेरी कल्पना का आदर्श समाज – भीमराव अम्बेडकर

पुस्तक–वितान भाग–2

1. सिल्वर वैडिंग – मनोहर श्याम जोशी
2. जूझ – आनन्द यादव
3. अतीत के दबे पाँव – ओम थानवी
4. डायरी के पन्ने – ऐन फ्रैंक

जनसंचार माध्यम

रिपोर्ट, आलेख, फीचर लेखन, कार्यालयी पत्र टिप्पणी, समाचार, संपादकीय।

व्याकरण

संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया विशेषण, कारक, समास, मुहावरे, निबन्ध लेखन, पत्रलेखन, विशेष लेखन।

English Language and Literature

1. Language

- Error Recognition
- Fill in the Blanks
- Grammar- Adjective, noun, pronoun, verb, subject-verb Agreement, Interchangeability of noun and verb, Gerund, Participle, Infinitive, Adverb, Tense, Clause, Transformation, Narration, voice, Preposition.
- Synonyms
- Antonyms
- Idioms & Phrases
- Comprehension Passage etc.

2. Literature

- **Novel-** The Inheritance of Loss – Kiran Desai; Death of a Salesman- Arthur Miller; Robinson Crusoe- Daniel Defoe; Sense and Sensibility- Jane Austen; He Who Rides a Tiger- Bhawani Bhattacharya.

- **Drama** – The Merchant of Venice- William Shakespeare; Arms and the Man- G.B. shaw; Tara- Mahesh Dattani; The Way of the World- William Congreve.
- **Poetry** – Sonnet 60- William Shakespeare; The Rainbow-William Wordsworth; Home Thoughts from Abroad- Robert Browning; Lead Kindly Light – Cardinal Newman; Preface to In Memoriam – Alfred Lord Tennyson; Where The Mind is Without Fear – Rabindranath Tagore; Essay on Man-Alexander pope; the Harp of India- H.L.V. Derozio
- **Short Stories** – The Necklace- Guy De Maupassant (Trans); an Astrologers Day- R.K. Narayan; The Home Coming- Rabindranath Tagore; A cup of Tea- Katherine Mansfield; Mrs. Adis-Sheila Kaya Smith; God Sees the Truth, But Waits-Leo Tolstoy.
- **Essay-** A Slip of The Tongue- J.E.B. Gray; God sees the Truth, But Waits- Leo Tolstoy; The English Gentleman- Mahatma Gandhi; The Bottle Imp- R.L. Stevenson; Opportunity for Youth- Jawaharlal Nehru; A Call To Youth- S. Radhakrishnan; on Travel by Train- J.B. Priestley.
- **History of the English Language:** A History of English Language- A.C. Baugh, Origins of the English Language – Joseph Willies.
- **Phonetics** – A Text Book of English Phonetics for Indian students- Balasubramaniam, A Course In Phonetics- P. Ladefoged.

Urdu

1. **Prose**

I.	Haj-e-Akbar	-	Premchand (Story)
II.	Bhola	-	Rajinder Singh Bedi (Story)
III.	Chhauti ka Joda	-	Asmat Chugtai.

2. **Urdu Poem**

I.	Jugnoo	-	Iqbal
II.	Kaljug	-	Nazeer Akbarbadi
III.	Mustaqbil	-	Akbar Allahabadi
IV.	Khak-e-Hind	-	Pandit Brijnarayan Chakbast.

3. **Urdu Grammar**

I. Gender

II. Singular

III. Plural

IV. Meaning

V. Opposite.

कुरमाली

1. व्याकरण : संज्ञा, सर्वनाम, वचन, लिंग, पुरूष, विशेषण, विलोम शब्द, प्रत्यय, उपसर्ग, मुहावरे, पहेली (बुझौवल)
2. कुरमाली लोक साहित्य : लोक साहित्य का तात्पर्य, परिभाषा, वर्गीकरण एवं महत्व।
3. लोकगीत : डाँइंडधरा गीत (पांतागीत), करमगीत, बिहारगीत, डमकच, ढपगीत।
4. कहानी : सबरनाखा नदीक जन्म, सात भाई एक बहिन, करमा–धरमा, पुइतू बूढ़ा।
5. निबंध : शहीद रघुनाथ महतो, शहीद निर्मल महतो, विनोद बिहारी महतो, सृष्टिधर सिंह देव कटियार, टुसू परब।
6. साहित्यकार : डॉ0 नन्द किशोर सिंह, लखीकान्त मुतरूवार, केशव चन्द्र टिडुआर।

हो

1. **हो व्याकरण** :– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, काल, लिंग, वचन, पुरूष, विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, मुहावरे, कहावत, पहेली आदि।
2. **साहित्य** :–

I. पद्य संग्रह

II. गद्य संग्रह

I. **पद्य साहित्य** :– लिटा मसुरि बिर विरड़, मा अरदास, बा अटेडाकन दिसुम बनो, जुलोः चा, एना दो ओकोन दिसुम तोरं।

II. **गद्य साहित्य** :– बहरोत, गिंदरू देयोआं, मुनु दोस्तुर अर मागे पोरोव, बा पोरोव एंगा हयम ममरं, कक्हारम्बड, नुड़हाम, सिंग दिसुम।

खोरठा

1. **गद्य भाग**
2. **पद्य भाग**

सहायक पुस्तक–खोरठा गद्य–पद्य संग्रह

(क) प्रकाशक–खोरठा साहित्यः साहितद्ध संस्कृति परिषद् बोकारो

(ख) खोरठा निबन्ध–लेखक– डॉ0 बी0एन0 ओहदार

(ग) डाह नाटक – सुकुमार

(घ) फरीछ डहर (कहानी संकलन) – लेखक– पंचम महतो

पद्य साहित्य :–

सहायक पुस्तकें :–

(क) एक पथिया डोगल महुआ– लेखक– सन्तोष महतो

(ख) सोंध माटी – डॉ0 विनोद कुमार

कविता भाग

(ग) डिडांक डोआनी– लेखक– वंशी लाल वंशी

(घ) तातल और हेमाल– लेखक– शिवनाथ प्रमाणिक

कविता संग्रह

3. खोरठा व्याकरण – लेखक– ए0के0 झा
4. निबंध– समसामयिक विषय पर

खड़िया

1. **व्याकरण** :– संज्ञा, सर्वनाम, वचन, लिंग, पुरूष, सजीव–निर्जीव, विशेषण, समान शब्द, विलोम शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय, मुहावरा, बुझावल आदि।
2. **साहित्य** :–

   (क) खड़िया लोक साहित्य का उद्भव एवं विकास, अर्थ, परिभाषा, भाग–विभाग, खड़िया जाति।

   (ख) लोकगीत – जाड.कोर, करम, बन्दोई, जनम पर'ब, कदलेटा, मुरड', कसासिड.।

   (ग) **लोक कहानी** – कथा कभनेइत

   (घ) **निबंध** – शहीद तेलेंगा खड़िया, गोपाल खड़िया, खड़िया महासभा, बंदोई, जाड. कोर, करम, जनम पर'ब।
3. **साहित्यकार**– 1. प्यारा केरकेट्टा 2. पौलुस कुल्लू 3. जुलियुस बा' 4. डॉ0 रोज केरकेट्टा 5. जोवाकिम डुॅगडुॅग

पंच परगनिया

1. पंचपरगनिया व्याकरण :– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, वचन, लिंग, पुरूष, जीव–निर्जीव, समान शब्द, उल्टा शब्द, प्रत्यय, मुहावरा, बझौवल आदि।
2. साहित्य–पंचपरगनिया, लोक साहित्य, अर्थ, परिभाषा, भाग–विभाग, पंचपरगनिया भाषा का उद्भव एवं विकास।
3. लोक गीत एवं मध्यकालीन कवियों के गीत – पुसगीत, बिहा गीत, सँहरइ गीत, करम गीत, मंत्र आदि।
4. लोक कहानी– पँठी रानी, कारला रानी, चालाक बिलाइ, सिआर केर फेउ बुढ़ा मुड़ेना लगाबे, भादा, बुधुवा आदि।
5. निबंध– गोड़डीह केर वन अंचल, मुण्डाओं का गाँव धरमपुर, गीत–गोविन्द आर बइउकि, आदि।
6. शिष्ट गीत/कविता–चंचलमन, उदवेग, रोक, दुख आदि।
7. साहित्यकार–ज्योति लाल माहादानी, दीन बन्धु महतो, चन्द्र मोहन महतो, परमानन्द महतो, करमचन्द्र अहीर।

संताली

1. **व्याकरण** :– संज्ञा, सर्वनाम, वचन, लिंग, पुरूष, सजीव–निर्जीव, विशेषण, समान शब्द, विलोम शब्द, प्रत्यय, मुहावरा, बुझोवोल
2. **साहित्य** :–

संताली लोक साहित्य – अर्थ, परिभाषा, भाग–विभाग, संतालों का उद्भव और विकास।

लोकगीत – डाहार, बाहा, सोहराय, काराम, दोड. सेरेञ

कहानी– आगिल हापड़ाम कोवाः काथा, सोहराय, कविता, सोपोदान

निबंध– सिदोकन्हू हुल, बाबा तिलका माँझी हुल डिबा किसुन, बिरसा हुल

साहित्यकार– डोमन साहु समीर, भागवत मुरमू ठाकुर, दिगम्बर हाँसदाः, ठाकुर मुरमू ठाकुर, बाबूलाल मुरमू, केवलराम सोरेन, आदित्य मित संताली आदि।

उड़िया

1. **गद्य विभाग** :–

I.	स्वाधीन चिन्ता	–	विश्वनाथ कर
II.	ओड़िया जाति किए	–	गोपबन्धु दास
III.	क्षमा	–	मायाधर मानसिंह
IV.	जातीय जीवन ओ संस्कृति	–	गोलक बिहारी धल

V.	लेखकर संसार	–	किशोरी चरण दास
VI.	मधुसूदन	–	चन्द्रशेखर रथ

सहायक पुस्तक : गद्य धारा (ओडिशा राज्य पाठ्य पुस्तक प्रणयन संस्था, भुवनेश्वर)

2. पद्य विभाग :–

I.	एणु कपोत गुरू मोर	–	जगन्नाथ दास
II.	मो जीवन पछे नर्के पडि थाउ़	–	भीम भोइ
III.	मुँ हाट बाहुड़ा	–	फकीर मोहन सेनापति
IV.	उठ कंकाल	–	गोदावरीश मिश्र
V.	ग्रामपथ	–	बिनोद चन्द्र नायक
VI.	शरत ऋतुर जन्ह	–	गुरू प्रसाद महान्ती

सहायक पुस्तक :– पद्य धारा (ओडिशा राज्य पाठ्य पुस्तक प्रणयन संस्था, भुवनेश्वर)

3. नाटक :–

I.	बक्सी जगबन्धु	–	मनोरंजन दास
II.	अभियान	–	कालीचरण पट्टनायक

4. काव्य :–

I.	पल्लिश्री	–	सच्चि राउतराय
II.	चिलिका	–	राधा नाथ राय

5. व्याकरण :–

विशेष्य, विशेषण, सर्वनाम, लिंग, वचन, पुरूष, कारक, विभक्ति, अव्यव, क्रिया, संधि, समास, युग्म शब्द, अनेकार्थक शब्द, एकपदी करण, साधारण अशुद्धि।

संस्कृत भाषा

ये प्रश्न इण्टरमीडिएट स्तर की पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होंगे। झारखण्ड राज्य में इण्टर स्तर पर स्वीकृत पाठ्य पुस्तक ऋतिका (भाग–1 एवं भाग–2) के सभी पाठों के विषय तथा उनमें अनुप्रयुक्त व्याकरण सम्बन्धी प्रश्न इसमें मुख्य रूप से शामिल किये जायेंगे।

इसके अतिरिक्त शब्द रूप तथा धातु रूप इनमें शामिल होंगे–

शब्द रूप

बालक, फल, रमा, पति, मति, वारि, नदी, शिशु, धेनु, मधु, वधू, पितृ, मातृ, कर्तृ, राजन्, गच्छन, भवत्, आत्मन्, विद्वस, यत्, तत्, किम्, इदम्, अस्मद्, युष्मद्।

धातु रूप (लट, लोट, लृट, लङ्, तथा विधि लिङ्ग लकारों में)

पठ्, गम्, लिख्, पा, स्था, दृश, अस्, भक्ष्, घ्रा, हन्, श्रु, नृत्, स्पृश, चर, कथ्, कृ, ज्ञा, शक्, तथा क्री।

<u>अनुप्रयुक्त व्याकरण</u>

कर्ता, क्रियापद चयन, समानार्थक, विलोमार्थक, सर्वनाम, संज्ञा, विशेष्य, विशेषण, अलंकार, अनुप्रास, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा।

कारक, उपपद विभक्ति प्रयोग, वाच्य परिवर्तन (केवल लट् लकार में)

नागपुरी

1. **व्याकरण** :– वर्ण, संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, कारक, विशेषण, क्रिया विशेषण, काल, धातु, क्रिया, वाक्य, अव्यव, उपसर्ग, प्रत्यय, समास, अनेक शब्द के बदले एक शब्द, विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द, समानार्थी शब्द।
2. **साहित्य** :–

(क) नागपुरी लोक लोक साहित्य, लोकगीत, लोक कथा, बुझौवल, कहावत, मुहावरे।

(ख) लोकगीत में– फगुआ, डमकच, अंगनई, मरदानी झूमर, बंगला झूमर, उदासी, पावस, लहसुवा, झुमटा।

(ग) लोक कथा से – वन हरनी कर बेटा, बुधू भंडारी, भाई–बहिन, बालमइत रानी।

बनफूल भाग – एक– (नागपुरी गद्य–पद्य संग्रह)– डॉ0 कुमारी वांसती।

मुण्डारी

1. **व्याकरण** :– संज्ञा, सर्वनाम, वचन, लिंग, पुरूष, सजीव–निर्जीव, विशेषण, समान शब्द, विलोम शब्द, प्रत्यय, मुहावरा, बझौवल
2. **साहित्य** :– मुण्डारी लोक साहित्य– अर्थ, परिभाषा, भाग–विभाग, मुण्डाओं का उद्‌भव और विकास।

लोकगीत :– बा, करम, सोहराई, अड़ान्दि।

कहानी :– करम कहानी, पशु–पक्षी, जीव जन्तुओं की कथा, पहाड़ों की कथा, देवी देवताओं की कथा, कविता आदि।

निबन्ध :– बिरसा आन्दोलन उलगुलान, गया मुण्डा, चोट्टि मुण्डा, माडा परब, मुण्डाओं की उत्पति।

<u>साहित्यकार :–</u>

1. डॉ0 रामदयाल मुण्डा,
2. दुलय चन्द्र मुण्डा,

3. काण्डे मुण्डा

Bengali Language and Literature

(I) Prose, Poetry

(A) Jibansmriti- Rabindranath Thakur (Selected)

Shiksharambha, Ghar O Bahir, Bhritya rajak Tantra,

Kabita Rachanranbha, Shrikantha Babu, Pitri deb.

(B) Poetry (Selected) Madhukari- Kalidas Roy.

i. Atrimunir Ashrame Shree Ram Chandra- Krittibas.
ii. Ishwari Patani – Bharatchandra
iii. Bangabhasa – Madhusudan Dutta
iv. Nirjharer Swapnobhango – Rabindranath Thakur
v. Hat- Jatindra Nath Sen Gupta
vi. Kandari Hunshiar- Najrul Islam
vii. Atharo Bachhor – Sukanta Bhattacharjee

(C) Grammar :-

Samas, Sandhi, Bagdhara, Vinnarthak Shabdojngal.

(D) Essay – (One)

पत्र–3 (सामान्य ज्ञान)

(क) **सामान्य अध्ययनः–** इसमें प्रश्नों का उद्देश्य अभ्यर्थी के आस–पास के वातावरण की सामान्य जानकारी तथा समाज में उनके अनुप्रयोग के संबंध में उसकी योग्यता की जाँच करना होगा। वर्तमान घटनाओं और दिन–प्रतिदिन की घटनाओं के सूक्ष्म अवलोकन तथा उनके प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण जैसे मामलों की जानकारी जिसे कि किसी भी शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जाती है। इसमें झारखण्ड, भारत और पड़ोसी देशों के संबंध में विशेष रूप से यथा संभव प्रश्न पूछे जा सकते हैं। सम–सामयिक विषय– वैज्ञानिक प्रगति, राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार, भारतीय भाषाएँ, पुस्तक, लिपि, राजधानी, मुद्रा, खेल–खिलाड़ी, महत्त्वपूर्ण घटनाएँ। भारत का इतिहास, संस्कृति, भूगोल, पर्यावरण, आर्थिक परिदृश्य, स्वतंत्रता आंदोलन, भारतीय कृषि तथा प्राकृतिक संसाधनों की प्रमुख विशेषताएँ एवं भारत का संविधान एवं राज्य व्यवस्था, देश की राजनीतिक प्रणाली, पंचायती राज, सामुदायिक विकास, पंचवर्षीय योजना।

(ख) **झारखण्ड राज्य से संबंधित ज्ञानः–**झारखण्ड की सभ्यता, संस्कृति, भाषा स्थान, खान–खनिज, उद्योग, भूगोल एवं इतिहास, राष्ट्रीय आन्दोलन में झारखण्ड का योगदान, साहित्य, किास योजनाएँ, खेल–खिलाड़ी, व्यक्तित्व, नागरिक उपलब्धियाँ, पुरस्कार, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व के विषय इत्यादि।

(ग) **सामान्य गणित** :– इस विषय में सामान्यतः अंक गणित, प्राथमिक बीजगणित, ज्यामिति, सामान्य त्रिकोणमिति, क्षेत्रमिति से सम्बन्धित प्रश्न रहेंगे। सामान्यतः इसमें मैट्रिक /10वीं कक्षा स्तर के प्रश्न रहेंगे।

(घ) **सामान्य विज्ञान** :– सामान्य विज्ञान के प्रश्न में दिन–प्रतिदिन के अवलोकन एवं अनुभव पर आधारित विज्ञान की सामान्य समझ एवं परिबोध से संबंधित प्रश्न रहेंगे, जैसा कि एक सुशिक्षित व्यक्ति से, जिसने किसी विज्ञान विषय का विशेष अध्ययन नहीं किया हो, अपेक्षित है।

(ड़) **मानसिक क्षमता जाँच** :– इसमे शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के प्रश्न रहेंगे। इस घटक में निम्न से सम्बन्धित यथासम्भव प्रश्न पूछे जा सकते हैं – सदृश्य, समानता एवं भिन्नता, स्थान कल्पना, समस्या समाधान, विश्लेषण दृश्य स्मृति, विभेद, अवलोकन, सम्बद्ध अवधारणा, अंक गणितीय तर्क शक्ति, अंक गणितीय संख्या श्रृंखला एवं कूट लेखन तथा कूट व्याख्या इत्यादि।

(च) **कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान** :– इसमें कम्प्यूटर के विभिन्न उपकरणों एवं संचालन की विधि की जानकारी से संबंधित प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

18. प्रारम्भिक परीक्षा के प्राप्तांक के आधार पर सामान्य मेधा सूची (Common Merit List) तैयार की जाएगी और उपलब्धता के आधार पर आरक्षण कोटिवार रिक्त पदों की संख्या के 15 गुणा अभ्यर्थियों का चयन, मुख्य परीक्षा के लिए किया जाएगा।

19. **मुख्य परीक्षा के आधार पर मेधा सूची का निर्माण :**

(i) आयोग द्वारा आयोजित मुख्य परीक्षा के उपरांत विवरणिका की कंडिका–18.4 के अधीन प्रश्न पत्र–2 एवं पत्र–3 में कुल प्राप्तांक के आधार पर सामान्य मेधा–सूची (Common Merit List) तैयार की जायेगी और मेधा–सह–विकल्प (Merit-cum-Option) के आधार पर कोटिवार रिक्त पदों की संख्या के अनुसार अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा।

(ii) मेधा–सूची में एक से अधिक उम्मीदवारों के प्राप्तांक समान (Equal Marks) रहने पर मेधा का निर्धारण उम्मीदवारों की जन्म तिथि के आधार पर किया जायेगा तथा अभ्यर्थी, जिनकी उम्र ज्यादा होगी, उन्हे अपेक्षाकृत ऊपर स्थान मिलेगा। यदि एक से अधिक उम्मीदवारों के प्राप्तांक और जन्म तिथि समान पायी जाती है, तो ऐसी स्थिति में उनके नाम के अंग्रेजी के वर्णक्रम के अनुसार मेधा का निर्धारण किया जायेगा और इसके निर्धारण के लिए आवेदक द्वारा आवेदन में अंग्रेजी में लिखे गये नाम के अक्षरों से किया जायेगा।

(iii) मेधा के आधार पर अनारक्षित पद के लिये तैयार मेधा सूची में समान मापदंड पर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी के आने की स्थिति में उक्त अभ्यर्थी की गणना अनारक्षित वर्ग के अनुमान्य पदों के विरूद्ध की जायेगी और उनके नाम के सामने उनका आरक्षण वर्ग भी वही होगा। इस सम्बन्ध में राज्य सरकार से प्राप्त अद्यतन निर्देशों का पालन किया जायेगा।

(iv) परीक्षा में निम्न न्यूनतम अर्हत्तांक से कम अंक पाने वाले अभ्यर्थियों को मेधा–सूची में शामिल नहीं किया जायेगाः–

(I)	अनारक्षित	–	40 (चालीस) प्रतिशत
(II)	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं महिला	–	32 (बत्तीस) प्रतिशत
(III)	अत्यन्त पिछड़ा वर्ग –(अनुसूची–1)	–	34 (चौंतीस) प्रतिशत
(IV)	पिछड़ा वर्ग अनुसूची–2	–	36.5 (साढ़े छत्तीस) प्रतिशत
(V)	आदिम जनजाति	–	30 (तीस) प्रतिशत
(VI)	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग **(EWS)**	–	40 (चालीस) प्रतिशत

(v) उपर्युक्त उप कंडिकाओं के आधार पर सामान्य मेधा–सूची तैयार की जायेगी और तदुपरान्त रिक्तियों के सापेक्ष आरक्षण कोटि वार चयन सूची गठित होगी।

20. अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों का सत्यापन

विवरणिका की कंडिका–19 के आधार पर मेधा–सूची प्रारूप गठित करने के पश्चात् मुख्य प्रतियोगिता परीक्षा के परीक्षाफल के आधार पर चयनित उम्मीवारों के प्रमाण पत्रों की प्रारम्भिक जाँच कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के सहयोग से करायी जायेगी।

प्रमाण पत्रों की जांच के क्रम में यदि किसी कोटि के उम्मीदवार के आवेदन पत्र में अंकित दावों का सत्यापन नहीं हो पाता है और उनकी उम्मीदवारी उक्त कोटि की रिक्ति के लिए स्थापित नहीं होती है तो ऐसी स्थिति में सम्बन्धित कोटि में रिक्त पदों के विरूद्ध मेधासूची में उपलब्धता के आलोक में निचले क्रम के उम्मीदवारों को आयोग द्वारा प्रमाण–पत्रों की जाँच के लिए आमंत्रित किया जायेगा।

21. नियुक्तिः–

(i) परीक्षा में सफलता सेवा पदों पर नियुक्ति के लिये कोई अधिकार प्रदत्त नहीं करेगा, जब तक झारखण्ड सरकार का, ऐसी जांच के पश्चात्, जो आवश्यक समझी जाय, समाधान नहीं हो जाता है कि अभ्यर्थी लोक सेवा में नियुक्ति के लिये अपने चरित्र और पूर्व वृत्त के सम्बन्ध में सभी प्रकार से उपयुक्त है।

(ii) सेवा में नियुक्तियाँ समय–समय पर कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अत्यन्त पिछड़ा वर्ग(अनुसूची–1), पिछड़ा वर्ग (अनुसूची–2) तथा आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों के वर्ग के लिये सेवा में विशेष प्रतिनिधित्व के सम्बन्ध में आदेशों के अध्यधीन होगी।